EXPRESSIONS

मेरी माँ

हरमीत
VI B/11332

माँ, माँ, माँ,
प्यारी माँ, भोली माँ
अच्छी और भला चाहने वाली माँ
गोद से लेकर जवानी तक
जवानी से लेकर बुढ़ापे की ओर तक
मेरी चिन्ता करती आई है माँ
मेरी माँ, मेरी माँ
मेरी हँसी में बसती है मेरी माँ
उसी ने मुझे चलना सिखाया
बोलना और पढ़ना सिखाया।
मुझ को आगे बढ़ाया
मेरी माँ, मेरी माँ
गलतियों को उसने सुधारा
मुझको उसी ने संवारा।
मेरी माँ, मेरी माँ।
कोमल निर्मल साफ़ सुन्दर मन की
मेरी माँ, मेरी माँ।

पंछी

पंछी उड़ते आकाश में,
पंख पसारे फिज़ाओं में,
सुबह उठते खाना टोहते
नहीं रहते किसी की आस में।
बहुत मेहनती होते पक्षी,
करते रहते अपना काम
नहीं फिजूल की पागलपंती
सीखें कुछ इनसे इंसान।
विभिन्न प्रकार के विभिन्न पक्षी
करते वास इस धरती पर
सभी का है अपना परिवार
नहीं करते किसी पर वार
पंछी उड़ते आकाश में,
पंख पसारे फ़िज़ाओं में,
सुबह उठते, खाना टोहते
नहीं रहते किसी की आस में
नहीं रहते किसी की आस में।

वह दिन कब आएगा ?

वह दिन कब आएगा ?
जब सब एक साथ होंगे,
जब सबमें प्रेम बढ़ेगा,
जब सब खुश होंगे,
वह दिन ना जाने कब आएगा ?
वह दिन कब आएगा ?
जब लोग लड़ना बंद करेंगे,
जब संसार से अधर्म हट जाएगा,
जब मैं, हम में बदल जाएगा,
वह दिन ना जाने कब आएगा ?
वह दिन कब आएगा ?
जब हर जगह हरियाली होगी
धरती सुन्दर, सुहानी होगी,
जब हर जगह शांति होगी
वह दिन ना जाने कब आएगा ?
वह दिन कब आएगा ?
जब बिछड़ने वाले मिलेंगे,
जब अधूरे सपने पूरे होंगे,
जब अरमानों के दीप जलेंगे।
वो दिन ना जाने कब आएंगे ?
जब दूसरों में उत्साह हम जगाएंगे,
वो दिन न जाने कब आएंगे ?
जब हम नई शुरुआत कर पाएंगे।

चिन्ता है

राज सिंह
VIII B/11513

वीरों को – आन की
कायर को – जान की
किसान को – धान की
गायक को – तान की
नाविक को – तूफान की
कमजोर को – बलवान की
नेता को – मतदान की
विद्यार्थी को – इम्तिहान की
भिखारी को – दान की
माँ–बाप को – संतान की

Nobility comes from ones good actions not knowledge.

Contributed by : Simi Roy IX B1/10486

EXPRESSIONS

हम सब विद्यार्थी है

मर्यादा
X A3/5036

शिक्षा के हम पार्थी है,
पढ़ना हमारा काम है
बाकी सब हराम है,
दुनियाँ मे कुछ करना है
हमको आगे बढ़ना है।
क्यों हम समय बेकार करें?
चलो दुनियाँ में कुछ काम करें,
माता-पिता ने हमें पढ़ाया है,
हम पर इतना पैसा लगाया है,
चलो उनको फल दें,
शिक्षा पर हम बल दें।
हम हिन्दुस्तान के युवक हैं,
सबको यह दिखलाना है,
देश को आगे बढ़ाना है,
देश को दुनियाँ में सम्मान दिलाना है,
चलो सब मिल जुल कर पढ़ें
देश का दुनियाँ में नाम करें।

दुआएँ

आज भी वैसी सुबह और साँझ है खिलती,
पर आँगन में बैठी अब वो माँ नहीं मिलती,
भरा हुआ घर भी खाली-खाली सा लगता है,
अब माँ की वो बोली, वो जुबान नहीं मिलती।
बद्-दुआएं घर के अंदर आ नहीं सकतीं,
माँ की दुआएं दरवाजे पे पहरा देती हैं,
किसी भी तोहफे में वो बात नहीं,
माँ से बढ़कर और कोई सौगात नहीं

पॉलीथीन

रगक्षित
VII B/11324

वातावरण को स्वच्छ बनाओ
पॉलीथीन को दूर हटाओ,
जले तो यह धुंआ फैलाए,
इससे कहीं दम न घुट जाए।
जीवन से इसको दूर भगाओ,
कागज, जूट को अपनाओ,
जब भी तुम बाजार जाओ,
कपड़े का थैला ले जाओ,
वातावरण को स्वच्छ बनाओ,
पॉलीथीन को दूर हटाओ।

मेरा हरा मित्र

अध्यापिका के कहने पर मैंने एक छोटा सा पौधा लगाया। मैं हर रोज उसको पानी देता। अपने मित्रों से उसके बारे में बातें करता रहता। मेरे साथ-साथ अब वह भी बड़ा हो गया। एक दिन दोपहर में मैं पेड़ के नीचे बैठ गया। थोड़ी देर बाद एक बच्चा आया। पेड़ की छाया में बैठ कर हिलती पत्तियों को देखकर बहुत खुश हो गया। एक औरत काम से थकी हुई पेड़ की छाया में बैठकर खाना खाने लगी। थोड़ी देर विश्राम करने के बाद चली गई। उसके जाने के बाद एक आदमी गुस्से में आया और छाया में बैठा। कुछ ही पल में वह शांत हो गया और वहां से चला गया। उस पेड़ ने सबको एक जैसी छाया दी। किसी में कोई फर्क नहीं किया। सबके मन को शांति मिली। फिर मैंने सोचा....ये पेड़ बिना किसी भेदभाव के हर इंसान को फल, छाया, लकड़ी अर्थात अपना सब कुछ देने को तैयार होते हैं।

मेरी अध्यापिका ने एक पेड़ के बहाने मुझे जीवन की अनमोल बात समझा दी। सभी के साथ अच्छा व समान व्यवहार रखो सभी को कुछ देने का भाव रखो।

मैं बोझ नहीं हूँ

शाम हो गई अब तो,
घूमने चलो न पापा,
चलते-चलते थक गई हूं
कंधे पर बिठा लो न पापा,
अँधेरे से डर लगता है
सीने से लगा लो न पापा,
मम्मी तो सो गई, आप ही लोरी सुना दो न पापा।

स्कूल तो पूरा हो गया, अब तो कॉलेज जाने दो न पापा,
पाल-पोस कर बड़ा किया, अब जुदा तो मत करो न पापा,
अब डोली में बिठा ही दिया तो, आँसू तो मत बहाओ न पापा,
आपकी मुस्कुराहट अच्छी है एक बार मुस्कुराओ न पापा।

आप ने मेरी हर बात मानी है,
एक बात और मान लो न पापा,
इस धरती पर बोझ नहीं हूं मैं,
दुनिया को समझाओ न पापा।

It needs intelligence, deligence, patience and perseverance to become overnight success.

Contributed by: Aditya Kr. Gupta X B1/9653

EXPRESSIONS

वाह! री हिन्दी

प्रेरणा
X A2/8441

वाह! री हिन्दी, वाह! री हिन्दी
करें कमाल तेरी, हर एक बिंदी
हर कोई चाव से बोले हिन्दी
हो मद्रासी, या हो सिंधी

देखे एक बिंदी क्या अर्थ दिखलाए
बदरी पर लगे तो बदंरी बन जाए,
रग पर लगे तो रंग बन जाए,
सांस से हठे तो आफत सास बन जाए।

हिन्दी की बिन्दी है चमत्कारी
सुनो जगत के नर नारी
हिन्दी है मातृ- भाषा हमारी
हिन्दी है जन-जन की प्यारी।

बनोगे तभी महान

ट्विंकल
X A3/9636

करो पढ़ाई पूरे मन से,
रोजाना जाओ स्कूल,
गृह कार्य को पूरा करना,
जाना कभी न भूल।

जहाँ कहीं हो असमंजस मन में,
निराकरण गुरू से पाओ,
जो भी पाठ पढ़ाया जाए,
घर आकर उसको दोहराओ।

कभी-कभी रटना भी जरूरी,
परन्तु समझना बहुत जरूरी,
और लिखने का अभ्यास बराबर।

दिनचर्या में शामिल हो,
खेल-कूद, मनोरंजन और ज्ञान,
समय का महत्व और संतुलित भोजन,
बनोगे तभी महान।

आज हवाओं को देखो

आज हवाओं को देखो,
इनकी दिशाओं और दशाओं को देखो,
उन्हें महसूस कर कुछ सीखो,
आज हवाओं को देखो।

कितनी कोमलता है इनमें,
इन्हें महसूस कर कुछ सीखो,
सबसे घुल-मिल कर रहना सीखो,
आज हवाओं को देखो।

कितनी ठंडक है इनमें,
इन्हें महसूस कर कुछ सीखो
दूसरों को खुश करके तो देखो,
आज हवाओं को देखो।

इनकी दिशाओं और दशाओं को देखो,
उन्हें महसूस कर कुछ सीखो,
आज हवाओं से कुछ तो सीखों।

भारत देश महान है

भारत देश महान है,
त्योहार इसकी शान है,
भ्रष्टाचार से लिपटे हुए,
नेता इसके बेईमान हैं।

चाहे कोई भी संकट आए,
फौज इसकी तैयार है,
चट्टानों को चीरने वाले,
इसके वीर जवान हैं।

देश को विकास के पथ पर लाना,
हर भारतीय का अरमान है,
पर चोर-उच्चकों से भरा ये देश,
जहाँ नारी का न सम्मान है।

फिर भी लोग यहाँ के,
देश प्रेम करते हैं,
सभी धर्म के लोग,
बात एक ही कहते है।

भारत देश महान है,
मेरा भारत देश महान है।

Confidence without character is dangerous.

Contributed by: Sujal Singh X B1/7785

EXPRESSIONS

दीपक

Sonuraj
VIII B/11525

ओ मानव
तू देख ज़रा दीपक को,
अंधेरे में राह दिखाता,
मुश्किल को आसान बनाता।
युगों-युगों से जलता आया,
तनिक नहीं फिर भी घबराया।
पथ कितनों को ही दिखलाए,
पथिकों को मंज़िल तक पहुंचाए।
कहता दीपक जलना ही है उसका धर्म,
जलते रहना ही है कर्म।
जलने से सुख किसको मिलता,
लेकिन नहीं लेश दुःख उसको होता।
पथिकों को लगता है प्यारा,
अंधकार में यही सहारा।
मानव, तुम भी जग को राह दिखाओ
सत्कर्म करो, सबको मंजिल तक पहुँचाओ।

भारत देश

भारत है एक देश महान,
दुनिया करती इसका सम्मान।
इसकी ऊँची है पहचान,
कुछ नेता इसके बेईमान।
ताजमहल, कुतुब मिनार,
ये सब है इसकी शान।
इसका सच्चा है ईमान,
जिसक सब करते सम्मान।
सबकी जान हिंदुस्तान,
सबसे प्यारा हिदुस्तान।

धरती

धरती हमारी माता है
यह हमारा बोझ उठाती है
जो कुछ हो सह जाती है
फिर भी आवाज नहीं उठाती है
यह हम सब को रखती है
फिर भी कुछ न कहती है
यह हमें खिलाती है
पर खुद भूखी रह जाती है
यह है हमारी जन्म भूमि
इसको मेरा कोटि प्रणाम
धरती हमें देती हरियाली
इसके बिना जग है खाली

प्यारी दिल्ली

सारे जहाँ से न्यारी दिल्ली
दिल वालों की प्यारी दिल्ली
हरी- भरी मतवाली दिल्ली
इंद्रप्रस्थ कहलाती दिल्ली
ट्रैफिक की मारी हमारी दिल्ली
कॉमन वैल्थ से सुधरी दिल्ली
लालकिले में लाल है दिल्ली
यमुना नदी में काली दिल्ली
फलों की यह क्यारी दिल्ली
सारे जहाँ से न्यारी दिल्ली।

LET'S GET QUIZZICAL-35 (Answers)

Ans. 01. Area
Ans. 02. Zones of Climate
Ans. 03. All the above
Ans. 04. Australia
Ans. 05. Geographic Grids
Ans. 06. All are similar terms
Ans. 07. Pneumatic rubber tire
Ans. 08. Marie Curie
Ans. 09. 1874
Ans. 10. Charles Richter
Ans. 11. ASEAN
Ans. 12. International Labour Organisation
Ans. 13. Kathmandu
Ans. 14. Dr. Manmohan Singh
Ans. 15. Hyderabad
Ans. 16. Vadodara
Ans. 17. Rajasthan
Ans. 18. Gol Gumbaz
Ans. 19. 1880s
Ans. 20. Field
Ans. 21. Operating System
Ans. 22. 1900s

If something is good, it doesn't mean it is good for you also.
Contributed by: Sahil Ranjan XII H2/11319

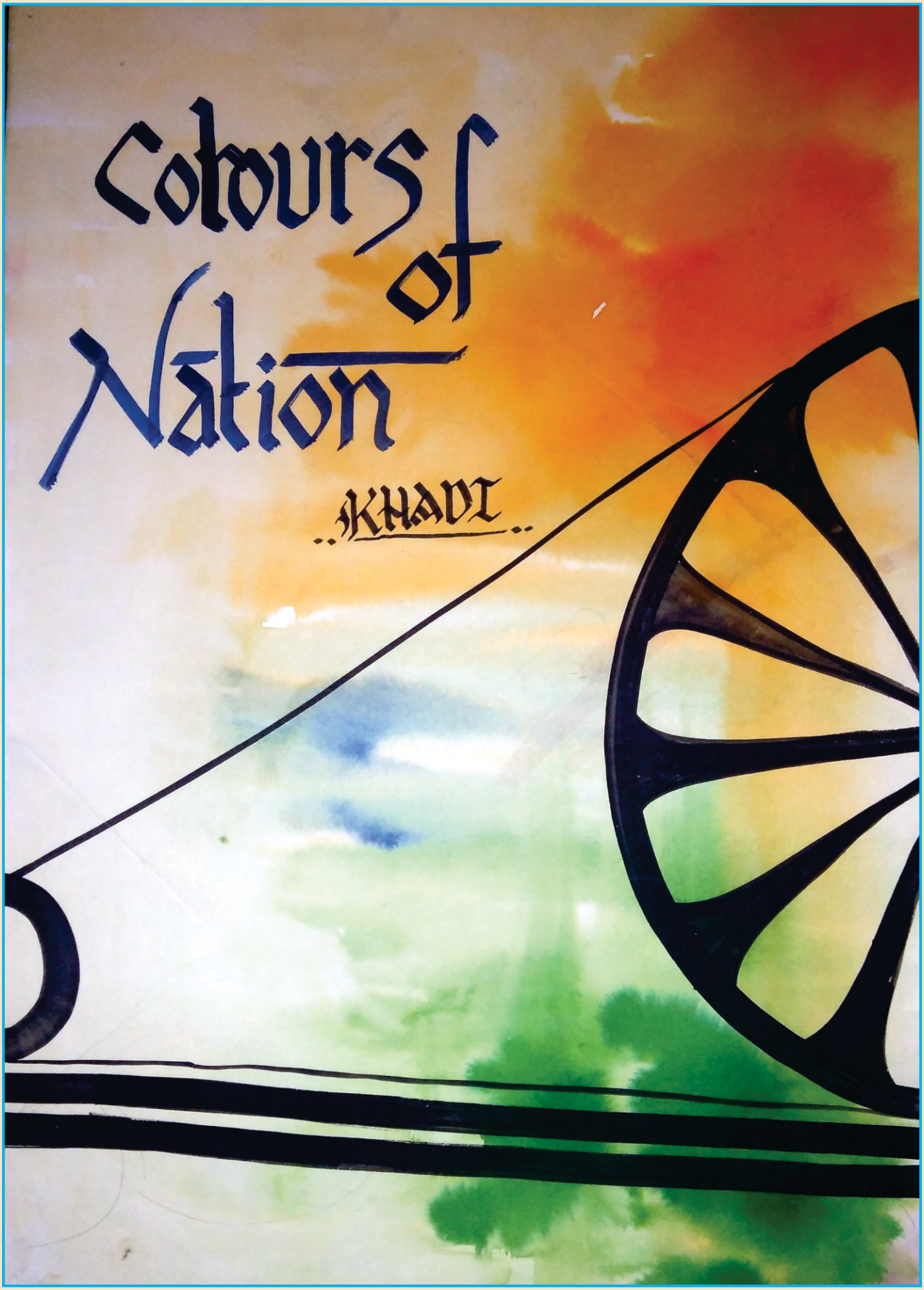
Colours of Nation
..KHADI..